जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

14 फरवरी, 2025

डॉ. जाकिर हुसैन की विरासत का जश्न मनाने के लिए जामिया मिल्लिया इस्लामिया अंतर-एजेंसी खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली : जामिया मिल्लिया इस्लामिया का सामाजिक कार्य विभाग 16 फरवरी, 2025 को डॉ. जाकिर हुसैन की जयंती के उपलक्ष्य में बहुप्रतीक्षित अंतर-एजेंसी खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम की मेजबानी करेगा और इस प्रकार विश्वविद्यालय एक दूरदर्शी और भारत के पूर्व राष्ट्रपति के रूप में उनकी विरासत का सम्मान करेगा। यह कार्यक्रम हाशिए के समुदायों के बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जो खेल, संगीत और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के लिए एक समावेशी स्थान प्रदान करता है।

17 गैर-सरकारी संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले 300 से अधिक बच्चे विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए एक साथ आएंगे। खेल जामिया स्कूल ग्राउंड में आयोजित किए जाएंगे, जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रम मल्टीपर्पज हॉल, जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल में होगा। इस कार्यक्रम में पैरालिंपिक शूटिंग चैंपियन सुश्री पूजा अग्रवाल, श्री मुन्ना खालिद, पैरालिंपियन (बैडमिंटन), और डॉ. शारदा कुमारी (सामाजिक कार्य विभाग की पूर्व छात्रा और सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, डाइट) सहित प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी । इस कार्यक्रम को प्रतिष्ठित संगठनों जैसे मदर डेयरी प्राइवेट लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामाजिक कार्य विभाग के पूर्व छात्र और सार्वजनिक भावना रखने ववाले अन्य व्यक्तियों द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है। यह पहल सामाजिक सशक्तिकरण के लिए जामिया की व्यापक प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण भाग है जो देश के शैक्षिक परिदृश्य में हाशिए के समुदायों की पूर्ण भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।

इस कार्यक्रम को वर्ष 1971 वार्षिक तौर पर आयोजित करने की परंपरा रही है, जो वंचित समुदायों के बच्चों को एक्सपोजर प्रदान करने और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस कार्यक्रम के माध्यम से वंचित समुदायों के बच्चों को फील्ड प्रैक्टिकम के रूप में विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) में रखे गए एम.ए. सामाजिक कार्य के छात्रों द्वारा सलाह दी जाती है। यह कार्यक्रम न केवल प्रतिभा का जश्न मनाता है अपितु आत्मविश्वास और उम्मीद भी जगाता है जिससे बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने और अपनी क्षमता का एहसास करने का अवसर मिलता है।

बच्चों के लिए यह आयोजन सिर्फ़ एक दिवसीय प्रतिस्पर्धा से बढ़कर है; यह सामाजिक-आर्थिक बाधाओं को दूर करने, विश्वविद्यालय के सशक्त वातावरण का अनुभव करने और शिक्षा द्वारा प्रदान की जाने वाली परिवर्तनकारी संभावनाओं का पता लगाने के अवसर का प्रतीक है। यह आयोजन बच्चों को एक-दूसरे से बातचीत करने और अपनी विश्वास प्रणालियों को चुनौती देने का अवसर भी प्रदान करता है।

डॉ. जाकिर हुसैन के दृष्टिकोण पर आधारित यह वार्षिक कार्यक्रम समुदायों को प्रेरित और एकजुट करती है जिससे शिक्षा और अवसर सभी के लिए सुलभ हो जाते हैं। यह समावेश की स्थायी शक्ति एवं सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण की दिशा में सहयोगी प्रयासों के सकारात्मक प्रभाव को प्रतिबिंबित करने का एक क्षण है। डॉ. आसिया नसरीन इस वर्ष की अंतर – एजेंसी खेल और सांस्कृतिक बैठक की संयोजक हैं। जामिया मिल्लिया इस्लामिया का पूरा सामाजिक कार्य विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रहा है कि बच्चों को एक सार्थक अनुभव मिले।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया